पाठ्यक्रम: छत्तीसगढ़ी

UNIT-1: छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक, ऐतिहासिक, अउ भाषिक पृष्ठभूमि

- छत्तीसगढ़ के भौगोलिक संरचना, इतिहास, नामकरण
- छत्तीसगढ़ी के उत्पत्ति अउ विकास, संस्कृत, प्राकृत, अपभंश, छत्तीसगढ़ी
- छत्तीसगढ़ म उपलब्ध भाषा-परिवार - भारतीय आर्य, द्रविड़, आग्नेय, तिब्बती-चीनी
- छत्तीसगढ़ी के अन्य भाषा मन ले संबंध - छत्तीसगढ़ी-ओड़िया, छत्तीसगढ़ी-मराठी, छत्तीसगढ़ी-हिंदी, छत्तीसगढ़ी-हलबी / भतरी / मुरिया
- छत्तीसगढ़ी म अन्य भाषा के आगत-शब्द- हिंदी, ओड़िया, मराठी, अँगरेजी, अरबी-फारसी अन्य

UNIT-2: छत्तीसगढ़ी के ध्वनि-संरचना

- छत्तीसगढ़ी ध्वनि-स्वर, व्यंजन, संध्यक्षर, स्वर-संयोग, संयुक्त व्यंजन
- छत्तीसगढ़ी स्वर के वर्गीकरण
- छत्तीसगढी व्यंजन के वर्गीकरण
- छत्तीसगढ़ी के ध्वनिगुण-मात्रा, बलाघात, अनुतान
- अंतरराष्ट्रीय ध्वनिलिपि माला के परिचय अउ ओकर प्रयोग

UNIT-3: छत्तीसगढ़ी के व्याकरण

- छत्तीसगढ़ी के शब्द भेद संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय,
- (क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधसूचक, विस्मयादिबोधक)
- व्याकरणिक कोटि- पुरुष, लिंग, वचन, कारक काल, पक्ष, वाच्य, अउ वृति
- विभक्ति अउ कारक रचना - कर्त्ता, कर्म, करण, आदि
- वाक्य-संरचना -
- मूल वाक्य - साँचा-
    - **a.** संरचना के आधार पर - सरल, संयुक्त, मिश्र, अपूर्ण, निविष्ट
    - **b.** अर्थ के आधार पर निश्चयात्मक, निषेधात्मक, -प्रश्नात्मक, संभावनात्मक, आज्ञासूचक, आश्चर्यबोधक आदि ।
- वाक्य-रचना के अशुद्धि वर्तनी-संबंधी, शब्द-संबंधी, व्याकरण-संबंधी

UNIT-4: छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास

1. आदिकालीन काव्य -(गाथा युग) प्रेम प्रधान गाथाएँ, धार्मिक अउ पौराणिक गाथाएँ राम और कृष्ण काव्य, वीर गाथा - अहिरन रानी, रेवा रानी फुलबासन, आदि

- 2. मध्यकालीन काव्य -
- वीरगाथाएँ, धार्मिक अउ सामाजिक गीत
- सुंदर लाल शर्मा दानलीला -

- मुकुटधर पांडे - मेघदूत
- 3. आधुनिक युग (प्रारंभिक काल) पद्य साहित्यकार मुकुटधर पाण्डेय, सुंदर लाल शर्मा, हरि ठाकुर, दानेश्वर शर्मा, द्वारिका प्रसाद तिवारी, कोदूराम दलित, पवन दीवान, श्यामलाल चतुर्वेदी,
- 4. आधुनिक युग के गद्य साहित्यकार मोंगरा (शिवशंकर), चंदा अमारित बरसाइस (लखन लाल गुप्त), कुल के मरजाद (केयूरभूषण), परदेसी राम वर्मा (आवा)
- कहानी -
- केयूर भूषण (आँसू म फिले अचरा), बिहारी लाल साहू (सुरुज पोटारिस अंधियार), सत्यभामा आडिल (सीख-सीख के गोठ)
- नाटक-खूबचंद बघेल (करमछड़हा), नंदकिशोर तिवारी (परेमा)
- लखन लाल गुप्त (सोन-पान) निबंध -

UNIT-5: छत्तीसगढ़ी लोक कला, लोक साहित्य अउ संस्कृति

- छत्तीसगढ़ी लोककला उद्भव अउ विकास; लोककला अउ कलाकार (रामचंद्र देशमुख, महासिंह चंद्राकर, दुलार सिंह,)
- छत्तीसगढ़ के जनजातीय संस्कृति (सरहुल, करमा, मुड़िया नृत्य, माड़िया नृत्य, गोंडी, हलबी, दोरला के संदर्भ म)
- छत्तीसगढ़ के लोकनाट्य गम्मत, रहस, नाचा के परिचय
- लोककला (लोकगाथा) पंडवानी, भरथरी (झाडूराम देवांगन, देवदास बंजारे, तीजनबाई, सूरजबाई खांडे आदि)
- राउतनाचा, सुआ नृत्य, चंदैनी, ददरिया, पंथीनृत्य, करमा, लोकनृत्य के संक्षिप्त परिचय

  लोक साहित्य- अर्थ, प्रकृति, व्याप्ति, गाथा-साहित्य, पर्व त्यौहार- हरेली, राखी, पोला-तीजा, नवरात्री, दशहरा, देवार, देवउठनी, अकती आदि
- संस्कार-गीत, जातीय गीत, नारी गीत, खेल गीत, बालगीत
- लोकोक्ति-पहेली (हाना, बुझौवल), मुहावरा, पहेली

UNIT-6: छत्तीसगढ़ी काव्य

- आधुनिक काव्य -प्यारेलाल गुप्त, हरि ठाकुर, नारायण लाल परमार, नरेद्र देव वर्मा
- नवगीतकार एवं उनकी रचना - जीवन यदु, लक्ष्मण मस्तुरिया, पवन दीवान, लाला जगदलपुरी, प्रभंजन शास्त्री, पालेश्वर शर्मा
- मुकुंद कौशल (छत्तीसगढ़ी गजल) 3. छत्तीसगढ़ी गजल
- छत्तीसगढ़ी हाइकू राजेंद्र सोनी, नरेंद्र वर्मा
- समकालीन कविता -भगतसिंह सोनी, नंदकिशोर तिवारी, देवदास महंत

UNIT-7: छत्तीसगढ़ी अर्थ मीमांसा अउ शब्द-संरचना

- अर्थ- प्रकृति, व्याप्ति
- अर्थ-प्रकार - एकार्थी, अनेकार्थी, पर्याय, समनामता,

- अर्थ निर्धारण- एकार्थी अनेकार्थी
- अर्थ-परिवर्तन के कारक तत्व व दिशाएँ
- संकेत-व्यवस्था वाचिक, सात्विक, आंगिक, आहार्य

शब्द-संपदा तत्सम, तद्भव, देशज अउ विदेशी शब्द

- शब्द-संरचना व्युत्पादक प्रत्यय, तद्धित, समास, संधि
- रूप-संरचना - रूपसाधन- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया
- विशेषण से संज्ञा बनाना, क्रिया से संज्ञा अउ विशेषण बनाना, संज्ञा से क्रिया विशेषण बनाना
- अनेक शब्द - एक शब्द, समूहवाची शब्द

UNIT-8: छत्तीसगढ़ी के भाषा-भूगोल

- छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक विस्तार, भाषिक परिपार्श्व
- छत्तीसगढ़ी म विभिन्न भाषामन के प्रयोग, अउ क्षेत्र, भाषा प्रयोग म शैली-भेद अउ सांस्कृतिक भेद।
- छत्तीसगढ़ी के क्षेत्रीय रूप उत्तरी, पूर्वी, केंद्रीय, दक्षिणी, पश्चिमी
- छत्तीसगढ़ी भाषा के सामाजिक संदर्भ द्विभाषिकता, पिजिन, क्रियोल, डिग्लोसिया (भाषा द्वैत), कोड़ मिश्रण अउ कोड परिवर्तन।
- छत्तीसगढ़ी भाषा के भेदक रूप के व्यवहार अउ मानचित्र

UNIT-9: छत्तीसगढ़ के तीज-तिहार अउ परंपरा

- छत्तीसगढ़ के लोक जीवन, धार्मिक पर्व अउ ओखर सामाजिक महत्व
- छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति लोक संस्कृति - स्वरूप, महत्व
- छत्तीसगढ़ी वस्त्र आभूषण अउ व्यंजन
- छत्तीसगढ़ के तीज-तिहार अक्ती, हरेली, राखी, खमरछठ, पोला तीजा, नवरात्रि, दशहरा, देवारी, अउ होरी आदि
- 5. छत्तीसगढ़ के लोक चित्रकला चौक, सदनाही, आटे कन्हैया, हरितालिका, गोबर चित्रकला, घर सिंगार, विवाह चित्र, अउ गोदना आदि।

UNIT-10: छत्तीसगढ़ी वाक्य संरचना अउ अनुवाद

- वाक्य-संरचना के प्रकार सरल, मिश्र और संयुक्त वाक्य, अपूर्ण, निविष्ट
- छत्तीसगढ़ी के वाक्य अउ उपवाक्य - संज्ञा उपवाक्य, विशेषण उपवाक्य, क्रिया विशेषण उपवाक्य
- पदबंध-संरचना अउ पदक्रम -विशेषण-पदबंध, क्रिया-पदबंध, क्रिया विशेषण-पदबंध
- संज्ञा-पदबंध, सर्वनाम-पदबंध,
- छत्तीसगढ़ी शब्द / वाक्य म अशुद्धि अउ निराकरण
- छत्तीसगढ़ी म विराम चिह्न के प्रयोग

- अनुवाद के परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व और प्रकार, अनुवाद सिद्धान्त
- अनुवाद के आधार सफल अनुवादक के गुन, अनुवाद के भाषा-शैली
- छत्तीसगढ़ी ले हिंदी अनुवाद (पद्यांश / गद्यांश, पाठ)
- हिंदी ले छत्तीसगढ़ी अनुवाद (पद्यांश / गद्यांश, पाठ)
- छत्तीसगढ़ी अनुवाद (स्वेच्छा से) हलबी, भतरी, गोंडी,